भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

मौखिक प्रश्न सं. *205

मंगलवार, 01 जनवरी, 2019/11 पौष, 1940 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

'मीरा परिपथ' को स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत शामिल किया जाना

***205. डा॰ सोनल मानसिंहः**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

क्या 'स्वदेश दर्शन योजना' के अंतर्गत राजस्थान, उत्तर प्रदेश और गुजरात को सम्मिलित करने के प्रयोजन से 'आध्यात्मिक परिपथ' के अंतर्गत 'मीरा परिपथ' योजना को शामिल किए जाने के लिए कोई प्रावधान किया गया है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री के.जे. अल्फोंस)

एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

****

'मीरा परिपथ' को स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत शामिल किए जाने के संबंध में दिनांक 01.01.2019 के राज्य सभा के मौखिक प्रश्न सं. *205 के उत्तर में **विवरण**

देश में आध्यात्मिकता से जुड़े सभी पर्यटक स्थान पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना की आध्यात्मिक परिपथ थीम के अंतर्गत शामिल किए जाते हैं ।

इस योजना के तहत विकास हेतु परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना के दिशानिर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी निधियों की उपयोगिता की शर्त पर उन्हें स्वीकृति दी जाती है ।

उपरोक्त मानदंडों के आधार पर मंत्रालय ने राजस्थान में स्वदेश दर्शन योजना के तहत 'विरासत परिपथ : राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (नाहरगढ़ किला) - अलवर (बाला किला) - सवाई माधोपुर (रणथंभोर किला तथा खंडार किला) - झालावाड़ (गागरों का किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) - जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (कालिबंगन, भटनेर किला तथा गोगामेड़ी) - जालौर (जालौर किला) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग - ए- निलोफर तथा पुरानी छावनी) - नागौर (मीरा बाई स्मारक) के विकास संबंधी परियोजना' के अंतर्गत मीरा बाई मंदिर (चित्तौड़गढ़) के निकट पार्किंग के विकास; लाइट एंड साउंड शो एवं मीरा बाई स्मारक (मेरता) के मुख्य प्रवेश द्वार पर और आस-पास फ्लड प्रकाश व्यवस्था के लिए 2.29 करोड़ रु. की राशि की स्वीकृति दी है ।

उत्तर प्रदेश तथा गुजरात में मीरा बाई से संबंधित स्थानों के विकास हेतु कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है ।

****